विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 16 से 22 जुलाई 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 06 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जिन घरों में प्रभु का गुणगान नहीं होता है,संस्कारों की कमी होती है, उन घरों में दौलत भरपूर रहने के बाद भी सुख, शांति तथा सुकून नहीं रहती है. जीवन में संस्कार ही हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं. जहां माता-पिता को सम्मान मिलता है, सास-बहू की बजाय मां-बेटी वाला संस्कार होता है, सही मायने में उन्हीं घरों में स्वर्ग होता है. आप भी अपने घर को स्वर्ग बनाने के लिए इस तरह का प्रयास कर देखें.खुशियां बढ़ जाएंगी.

होर्मुज में जहाज पर हमला युवक की मौत,10 गायब

पुणे-ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य में दो जहाजों पर हुए हमलों में एक भारतीय की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए. कंटेनर शिप पर 'तीसरे इंजीनियर' हेरम्बा करमारकर की मौत की पुष्टि उनके परिवार ने मंगलवार को की. रविवार को 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में जहाज पर मिसाइल लगने के बाद वह लापता हो गए थे.इंडियन स्टैंडर्ड टाइम के अनुसार रविवार सुबह करीब 3:30 बजे ओमानी पानी के पास से गुजरते समय कार्गो शिप गैलेक्सी' पर मिसाइल लग गई. टक्कर से जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और जहाज हिल नहीं पाया. इसके बाद, क्रू ने जहाज को एंकर किया और 'लाइफबोट' की मदद से सुरक्षित बाहर निकल गए.जहाज पर 11 भारतीयों समेत कुल 24 क्रू मेंबर सवार थे. ओमान की रॉयल नेवी द्वारा उनमें से 23 को निकालने के करीब दो घंटे बाद, उन्हें बचा लिया गया.कुछ देर पहले घर से संपर्क किया था.

शिंदे शिवसेना को मिलेगा दो मंत्री पद

दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर चर्चा, एक कैबिनेट,एक राज्यमंत्री

विदर्भ स्वाभिमान,15 जुलाई

मुंबई-केंद्रीय कैबिनेट में हो रहे फेरबदल के बीच शिवसेना नेता और डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे मंगलवार देर रात नई दिल्ली पहुंचे. उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और चर्चा की. इस समय 'शिवसेना उभाठा' से अलग होकर शिवसेना में शामिल हुए छह सांसद भी शिंदे के साथ थे. कयास लगाए जा रहे हैं कि इस विस्तार में शिवसेना को एक कैबिनेट मिनिस्टर और एक राज्य मंत्री मिलेगा, और कैबिनेट में डा. श्रीकांत शिंदे के नाम, जबकि राज्यमंत्री के लिए ओमराजे निंबालकर और संजय जाधव के नामों पर चर्चा हो रही है.

अलग हुए लोगों को मंत्री पद मिलने की बात-कयास लगाए जा रहे हैं कि लोकसभा में अपनी ताकत बढ़ाने वाली शिवसेना को इस विस्तार में एक कैबिनेट मिनिस्टर और एक राज्य मंत्री मिलने की संभावना है. संसद का सेशन सोमवार से शुरू होगा, और उससे पहले कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है. शिवसेना उभाठा, आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच हाल ही में हुए बंटवारे के बाद, इन तीनों पार्टियों के अलग हुए ग्रुप के नेताओं को प्रस्तावित कैबिनेट विस्तार में केंद्र में मंत्री पद मिलने की बात हो रही है.अमित शाह ने शिंदे को भरोसा दिलाया है कि महाराष्ट्र में विकास के कामों के लिए केंद्र सरकार की तरफ से फंड या किसी और चीज़ की कोई कमी नहीं होगी. शिवसेना उभाठा से अलग हुए छह सांसदों में से एक को केंद्रीय कैबिनेट में राज्यमंत्री का पद मिल सकता है. धाराशिव के एमपी ओमराजे निंबालकर और परभणी के संजय जाधव के नाम चर्चा में हैं. श्रीकांत शिंदे को भी कैबिनेट में शामिल करने की बात हो रही है.दिल्ली जाने से पहले, शिंदे ने पार्टी के सीनियर नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों के साथ मीटिंग की. माना जा रहा है कि इस मीटिंग में यूनियन कैबिनेट के विस्तार और राज्य में कॉर्पोरेशन्स के रुके हुए विस्तार पर चर्चा हुई. उद्धव ठाकरे की पार्टी के छह बागी ग्घ्घ के शामिल होने से शिवसेना के ग्घ्घ की संख्या बढ़कर 13 हो गई है. इससे यह महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा ग्घ्घ वाली पार्टी बन गई है.

अमरावती का तहसील कार्यालय अंग्रेजों के जमाने में बनी इमारत है. यहां का कुआं कभी सूखता नहीं है. यह कुआं आज भी सैकड़ों लोगों को रोजगार देता है. इसके माध्यम से शहर में कई लोग जलापूर्ति का काम करते हैं.।

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अमेरिका का अहंकार दुनिया के लिए बना काल

पूरे विश्व को अमेरिका के अहंकार और दरोगा बनने की भूमिका का दंश झेलने की नौबत फिर एक बार आ गई है. कभी हां, कभी ना के साथ ही जिस तरह से कभी युद्ध विराम और फिर अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने की स्थिति दुनिया को चिंता में डाल रही है. इस युद्ध में ऐसे देशों को नाहक तकलीफ हो रही है, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है. विश्व में यह व्यवस्था होनी चाहिए कि किसी सनकी राष्ट्र प्रमुख के कारण अन्य देशों को नुकसान होता है तो इसकी भरपाई संबंधित राष्ट्र से करवाई जानी चाहिए. अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू होने के कारण तेल, उर्जा के साथ ही कई क्षेत्रों में संकट की स्थिति उत्पन्न होकर भारत सहित विश्व के कई देशों पर इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है.

विश्व आज परेशानी के डर से जहां आतंकित है वहीं दूसरी ओर अमेरिका और ईरान के बीच अगर युद्ध लंबा चलता है तो इसका भुगतान भारत सहित विश्व के लगभग कई देशों को करना पड़ सकता है. दोनों देशों के बीच युद्ध विराम होने के बावजूद जिस तरह से फिर से एक बार युद्ध भड़क गया है उसके चलते आगामी दिन समूचे विश्व के लिए तकलीफदेह रहने से कोई इनकार नहीं कर सकता. अमेरिका की हेकड़ी की सजा न केवल उसको बल्कि कई देशों को भुगतनी पड़ती है, इस बारे में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए. किसी देश के राष्ट्रपति की मनमर्जी का दंड अगर पूरा भारत सहित अन्य देश भुगतने बिबस हो रहे हैं तो इसका भी समर्थन नहीं किया जा सकता है.अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष का असर केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है. हालिया तनाव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है.

ईरान और खाड़ी क्षेत्र से तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा हो सकता है.भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है. तेल महंगा होने से पेट्रोल, डीजल, गैस, परिवहन और खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है. ईंधन महंगा होने से उत्पादन और परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे रोजमर्रा की वस्तुएँ भी महंगी हो सकती हैं. युद्ध और अनिश्चितता के कारण निवेशकों की चिंता बढ़ती है, जिससे वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट या अस्थिरता आ सकती है.लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने पर विश्व आर्थिक वृद्धि धीमी पड़ सकती है और कई देशों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है.

यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लंबा चलता है, तो इसका सबसे बड़ा असर ऊर्जा बाजार, महंगाई, वैश्विक व्यापार और आम लोगों की जीवन-यापन लागत पर पड़ सकता है. इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार कूटनीतिक समाधान की कोशिशों पर जोर देता है. भारत सहित विश्व के अनेक देश इन दोनों के युद्ध से चिंता में हैं. जरूरी है कि विश्व संगठन यूनो इस मामले में अपने अधिकारों का उपयोग करे.

अविवाहित रह जाएंगी 45 फीसदी युवतियां

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

तमाम सुविधाओं के बाद आदमी की उम्र बढ़नी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य कि हम जिन साधनों को सुख का साधन मानते हैं, वहीं साधन आज दुख का कारण बनते जा रहे हैं. पहले लोग जीभरकर मेहनत करते थे और बुढ़ापे तक चष्मा लगाने की नौबत नहीं आती थी, हाड़तोड़ मेहनत के बाद भी हजारों किलोमीटर पैदल चलने की ताकत रखते थे. मोबाइल तथा तमाम सुविधाओं के इस दौर में आज स्थिति यह है कि घर का बच्चा दो किलोमीटर तक भागने की ताकत नहीं रखता है.

बचपन में जब यह स्थिति है तो जवानी और बुढ़ापे की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है. संस्कारों से दूर जाने के बाद आज सिया जैसी बेटियां पैदा हो रही हैं, जो अपने मंगेतर की हत्या अपने प्रेमी से करवा रही हैं और बेटी के सारे गुणों को जानने के बाद भी उसके माता-पिता एक परिवार को ऐसा दर्द दे रहे हैं, जो शायद वह परिवार कभी नहीं भूल सके. बिगड़ती सामाजिक तथा संस्कारित व्यवस्था के कारण आगामी समय में जहां परिवार खत्म हो जाएंगे, वहीं दूसरी ओर 45 फीसदी युवतियां कुंवारी रहने का खतरा पैदा हो गया है. आज यह भले ही आसान लग रहा है लेकिन यह स्थिति मानव जीवन के लिए खतरनाक साबित होगी. समय रहते सामाजिक धुरंधरों को इस बारे में विचार करते हुए जितना संभव हो सके, उतनी जल्दी हल निकालने का प्रयास करना चाहिए. एक हालिया अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार अगले छःवर्षो में विश्व की लगभग 45 फीसदी लड़कियां अविवाहित रह जाएंगी. इससे

जहां परिवारों पर खतरा मंडराएगा, वहीं शादी के अभाव में कई गलत प्रवृत्तियों को मौका मिलेगा और इससे अपराध बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है.

यह रिपोर्ट 1 फरवरी 2025 को प्रकाशित लोकमत अखबार में छपी थी, जो मार्गन स्टेनली संस्था द्वारा किए गए एक विस्तृत अध्ययन पर आधारित है. वर्तमान में विवाह की उम्र मर्यादा का जिस तरह से हनन हो रहा है, उससे यह स्थिति लगातार गंभीर होने से कोई इंकार नहीं कर सकता है.

सर्वेक्षण में पाये गए प्रमुख कारण-आज की लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है और करियर को प्राथमिकता दे रही हैं. इन दोनों के चक्कर में उम्र का पता ही नहीं चल रहा है, उच्च शिक्षा के बाद अपने से अधिक पढ़े-लिखे की चाहत में कई वर्ष निकल जा रहे हैं. वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है और किसी पर निर्भर रहना नहीं चाहती.उन्हें स्वतंत्रता प्रिय है और वे अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेना चाहती हैं.विवाह, मातृत्व और पारिवारिक बंधनों को वे अक्सर अपनी प्रगति में बाधा मानने लगी हैं..यदि यह प्रवृति बनी रही तो पारंपरिक परिवार प्रणाली और सामाजिक संरचना बिखर सकती हैं.जनसंख्या में गिरावट, कुंवारे लड़को की संख्या में वृद्धि और वृद्धावस्था में अकेलेपन की समस्याएँ सामने आ सकती हैं.प्रश्न यह भी उठता है प्रगति, पद और पैसा किस काम आएंगे, जब जीवन के अंत में साथ देने वाला कोई न होगा? उस समय दौलत तो भरपूर होगी लेकिन जीने के लिए साथ देने वाला कोई नहीं होगा.

माता-पिता परेशान-कई माता पिता लड़कियों के रिश्ते तो ढूंढ रहे हैं, पर स्वयं लड़की को विवाह में रूचि नहीं होती.जिसके कारण हर रिश्ता नकारा जा रहा है. कई लड़कियां स्वयं को महारानी बनाने के लिए लड़कों को रिजेक्ट करती हैं और बाद में कुंआरी रहने की नौबत आ रही है. समाज के एक बड़े वर्ग को इस बदलाव की गंभीरता का अभी मालूम नहीं है,इसलिए यह आवश्यक है कि हम समय रहते चेते.लड़कियों के विवाह के लिए उपयुक्त आयु 23 से 26 वर्ष के बीच हो यदि हो पाएं तो ओर भी जल्दी, इसके लिए सामूहिक स्तर पर जागरूकता ओर पहल जरूरी है.समस्याएं पैदा होने से इंकार नहीं किया जा सकता.बेटियों की जिद में परेशानी भी बढ़ी है.

माऊली सी छांव देती हैं डॉ.कमलताई गवई

सम्पन्नता में भी कोई विनम्रता की प्रतिमूर्ति कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण हम सभी के लिए माऊली समान डॉ. कमलताई गवई हैं. माऊली का 85 वां जन्मदिन 13 जुलाई को मनाया गया. इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं.पूर्व राज्यपाल, राष्ट्रीय स्तर के नेता पूर्व सांसद रा.सू. उर्फ दादासाहब साहेब गवई की धर्मपत्नी के साथ भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की मातोश्री की सादगी निश्चित तौर पर हर व्यक्ति को प्रभावित करती है. डॉ.कमलताई गवई ने अत्यंत विपरीत स्थितियों में भी उनका छाया के रूप में साथ दिया और संभालने का काम किया.

आज की स्थिति में भी सभी के लिए माऊली डॉ.कमलताई गवई भूमिका निभा रही है. विपश्यना केंद्र एवं उसकी सभी जिम्मेदारी में व्यस्त रहने के बाद भी महानगर ही नहीं तो जिले भर में कार्यकर्ताओं के कार्यक्रमों में उत्साह के साथ उपस्थिति रहती है. उनकी लोकप्रियता का ही यह सबूत है कि उनके जन्मदिन पर हजारों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. समाजसेवा में स्वयं को झोंकने वाले डॉ. गोविंद भाऊ कासट मित्र मंडल के विभिन्न

सामाजिक कार्यों में सहभागिता करते हुए समाज को अपना मार्गदर्शन दे रही हैं. हर कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से जिस तरह का उत्साह और आनंद पैदा होता है इसका अनुभव हम लोग कई वर्षो से कर रहे हैं.3 साल पहले आनंदवन के प्रमुख डॉ. विकासभाऊ आमटे के अमृत महोत्सव वर्ष में डॉ. गोविंदभाऊ कासट, डॉ.कमलताई गवई, मैं कई बार वरोरा स्थित आनंदवन जाने का मौका मिला. कई स्थानों पर हम साथ में रहे ऐसे समय मां जैसी ममता का अनुभव हम सभी ने किया. घर से ही सभी के लिए टिफिन लाने से लेकर सभी की चिंता तक खिलाने का कार्य उन्हों ने मातृवत किया. जिस तरह से आत्मीयता से आग्रह करती हैं, आज के दौर में इस तरह की आत्मीयता बहुत कम देखने में मिलती है. सामाजिक कामों के अलावा राजनीति पर बातचीत करते समय पुराने कई प्रसंगों को वे बताती हैं. इन प्रसंगों को बताते समय भी पूरी तरह से रम जाती है. उनके साथ लंबे समय तक रहने का मौका कई बार हम सभी को मिला है, इसमें गोविंद भाऊ कासट, समाजसेवी तथा भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सुदर्शनजी गांग, प्रदीपभाऊ जैन और स्वयं मैं भी इसका अनुभव रखता हूं. उनके साथ रहते समय मां के साथ रहने की अनुभूति हम लोग सदैव करते हैं.माऊली जैसा एहसास उनके साथ रहने वाले हर व्यक्ति को होता है. सादगी के साथ ही हर व्यक्ति को सम्मान देती हैं. उनके आदर्श संस्कारों का ही यह असर है कि पूरा परिवार सादगी, संस्कारों से परिपूर्ण है. पूर्व सीजेआई न्या. भूषण गवई भी मां की परछाई के रूप में विनम्र हैं. सम्पन्नता में भी विनम्रता लोगों के दिलों में जगह बनाने में भूमिका निभाती हैं. उससे ही सही मायने में धम्म के आधार पर जीने वाले तथा समाज का कर्ज उतारने का निरंतर प्रयास करने वाली ताई को जन्मदिन की अनंत हार्दिक शुभेच्छा.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही मंगल कामना.

सुदर्शन गांग, बडनेरा

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

भक्ति,श्रद्धा तथा सुकून का त्रिवेणी संगम है गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर,युवाओं में जगा रहा है भक्तिभाव

विदर्भ स्वाभिमान, 15 जुलाई

अमरावती- शहर धार्मिकता के क्षेत्र में सदा अग्रणी रहा है. यही कारण है कि अमरावती को इंद्रपुरी भी कहा जाता है. यहां पर प्राचीन मंदिर, श्रीकृष्ण मंदिर जहां प्राचीन और ऐतिहासिक है, वहीं तपोभूमि के रूप में गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर का उल्लेख किया जाता है. यहां आने वाले भक्त को हर पल इसका एहसास होता है. विशाल बरगद के पेड़ के साथ ही यहां सकारात्मक उर्जा का भंडार आने वाले हर व्यक्ति के मन को सुकून भी प्रदान करता है.

पिछले कुछ वर्षों से इस मंदिर में भक्तों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है. सुबह का श्रृंगार और महाआरती उज्जैन की तर्ज पर होती है. इसमें भक्त झूम उठते हैं. दो साल पहले यहां पंडित शिव गुरू शर्मा की हुई कथा के बाद तो भक्तों की संख्या में न केवल इजाफा हुआ है, बल्कि हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं. बच्चों से लेकर युवाओं तक में जिस तरह जिस तरह से भक्तिभाव जाग रहा है और भोलेनाथ का मोहक श्रृंगार करतेहैं यह निश्चित ही प्रभु की कृपा के बगैर संभव नहीं है.

भगवान भोलेनाथ को देवों के देव महादेव कहा जाता है. वे करूणा, त्याग, तप, सत्य और कल्याण के प्रतीक हैं. उनकी भक्ति केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन में आत्मबल, धैर्य, साहस और सकारात्मक सोच का भी संचार करती है. सच्चे मन से शिव की आराधना करने वाला व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति प्राप्त करता है.भोलेनाथ अपने भक्तों पर शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं. इसलिए उन्हें 'आशुतोष' भी कहा जाता है. वे बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट हृदय और सच्ची श्रद्धा को स्वीकार करते हैं. शिवभक्ति मनुष्य के भीतर अहंकार को समाप्त कर विनम्रता, संयम और सेवा का भाव उत्पन्न करती है.महादेव का स्वरूप हमें यह संदेश देता है कि जीवन में विषम परिस्थितियाँ आएँ तो उनसे घबराने के बजाय धैर्य और विवेक से उनका सामना करना चाहिए. मंदिर में साल भर विभिन्न कार्यक्रम चलते हैं.भोलेनाथ की भक्ति मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत है. 'ॐ नमः शिवाय' का जप मन को एकाग्र करता है, नकारात्मक विचारों को दूर करता है और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक होता है.

आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में शिवभक्ति व्यक्ति को आत्मिक संतुलन प्रदान करती है. यह हमें सत्य, करूणा, क्षमा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है. इसलिए कहा जाता है कि भोलेनाथ की भक्ति केवल मोक्ष का मार्ग ही नहीं, बल्कि सफल, संतुलित और सार्थक जीवन का आधार भी है. गड़गडेश्वर मंदिर में आने वाले हर व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती हैं. शर्त केवल निश्चल और निष्कपट मन होना चाहिए. जय भोले ग्रुप के माध्यम से भोलेनाथ की सेवा का सिलसिला चल रहा है.

तपोवन में कार्यक्रम के दौरान बहादुर बच्ची क़रीना थापा के साथ संजय शिरभाते तथा संपादक सुभाष दुबे.

आदर्श पत्रकारिता का उदाहरण है विदर्भ स्वाभिमान

पूर्व प्राचार्य संजय शिरभाते ने कहा राष्ट्र सेवा,धर्म सेवा के साथ ही मानव सेवा को दिया सदा प्राथमिकता

विदर्भ स्वाभिमान, 15 जुलाई

अमरावती- वर्तमान दौर में समाचार पत्र निकालना और अपने सिद्धांतों पर चलाना निश्चित ही किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है. लेकिन अमरावती ही नहीं तो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र में प्रसारित विदर्भ स्वाभिमान ने निश्चित ही आदर्श विचारों,संस्कारों, मानव सेवा, राष्ट्र सेवा के साथ ही सदैव सकारात्मकता की पत्रकारिता करते हुए आदर्श स्थान बनाया है. सोलह वर्षों के दौरान तमाम चुनौतियों को झेलते हुए इस अखबार के संपादक ने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया. आदर्श पत्रकारिता का यह अखबार उदाहरण है. इस आशय मत पूर्व प्राचार्य और अंग्रेजी के राष्ट्रीय स्तर के विद्वान संजय शिरभाते ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए समाचार पत्र को 17वें वर्ष में पदार्पण पर अपनी शुभकामनाएं दी.

विदर्भ स्वाभिमान के सोलह वर्षों के संघर्ष का जिक्र करते हुए पूर्व प्राचार्य संजय शिरभाते ने कहा कि मानवता की सेवा, सनातन धर्म के साथ ही राष्ट्र धर्म को पहला स्थान रखने की सीख इस अखबार ने सदैव दी. लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाने वाली पत्रकारिता तभी सार्थक होती है, जब वह सत्य, निष्पक्षता, जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों पर आधारित हो. आज के प्रतिस्पर्धी दौर में भी कुछ समाचार माध्यम ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी विश्वसनीयता और जनसरोकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है. विदर्भ स्वाभिमान ऐसा ही एक समाचार मंच है, जिसने आदर्श पत्रकारिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है.

विदर्भ स्वाभिमान ने हमेशा समाज की आवाज़ को मजबूती से उठाने का कार्य किया है. ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याएँ, किसानों की पीड़ा, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सामाजिक सरोकार और सांस्कृतिक विरासत जैसे विषयों को प्रमुखता देकर इसने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम बनाया है.इस समाचार पत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सनसनी फैलाने के बजाय तथ्यपरक, संतुलित और जिम्मेदार पत्रकारिता में विश्वास रखता है. समाज के सकारात्मक कार्यों, प्रतिभाओं और सेवा-भाव से जुड़े व्यक्तित्वों को भी उचित स्थान देकर यह प्रेरणादायी वातावरण का निर्माण करता है. बच्चों के संस्कारों से लेकर बढ़ते पारिवारिक तनाव को कम करने के प्रयासों पर भी सदा लेखन किया है. पर्यावरण संतुलन के साथ ही अच्छी बैंक और संस्थाओं को प्रोत्साहित करने का काम किया. उनके मुताबिक विदर्भ स्वाभिमान ने समय-समय पर जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यान समस्याओं की ओर आकर्षित किया है. यही कारण है कि यह पाठकों के बीच विश्वास और सम्मान का प्रतीक बन चुका है. इसकी पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, उत्तरदायित्व और सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है. संजय शिरभाते ने समाचार पत्र को उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं देते हुए अपना आशिर्वाद भी दिया.

लक्ष्मी के द्वारा हरि को दिव्य कमल पर दर्शन देना

ग़तांक से जारी- मुनि के इस रूप में कहने पर लक्ष्मी उस कपिल मुनि से विदा लेकर संतोष के साथ अपनी योग महा महिमा को बढाते लोक पूज्य प्राप्त करने के लिए वहाँ से निकली. अपनी तपोनिष्ठा से पूर्व देह को त्याग करके, फिर दिव्य देह को प्राप्त करके पद्म के नाल में घसकर उसके द्वारा ऊपर उठकर पद्म कर्णिका के द्वारा ऊपर पद्मासन पर बैठ गयी. मानो सारी बिजलियाँ एक जगह इकट्ठा होकर विग्रह के रूप में बदल गयी हों. ऐसे उस पद्म के ऊपर कांति से दीपित रमादेवी दिखाई पडी. ऐसी रमादेवी को देखकर हरि आनंद जलधि में डूब गये. सिरि की ओर हरि के देखने पर, वह हरि की ओर देख कर लज्जा से कुछ बोले बिना चिंता के साथ सर झका कर रही.लक्ष्मी ने अपने मन में इस रूप में सोचा. 'प्रेम से यहाँ पर मेरा नाथ तापसी बनकर, घन जटाधारी बनकर, स्वयं निराहारी बनकर, सारे भोगों को त्याग कर, विरागी बनकर इस रूप में रहे. ऐसे रूप को मुझे देखना पड़ा. अब मैं क्या करूँ? कहते चिंता करने पर, उस लक्ष्मी के भाव को समझकर विलास से आभरण, सुवर्ण वस्त्र, शंख, चक्र धारण करके, नीलमेघ श्याम के रूप में खड़े होकर हरि ने उसे दर्शन दिये. तब श्रीदेवी उन्हें देखकर मोहित हो गयी. तब चक्री अपना सर झकाकर चुप रहे. सिरि हरि को देखते समय सर झका कर लज्जा का अनुभव करने वाले पति को देखकर सिरि को भी लज्जा हुई. इस रूप में लक्ष्मी के सिर झकाकर अपनी ओर न देखने से संदेह के साथ पद्म में पद्मासन पर बैठी लक्ष्मी की ओर हरि ने मोह से देखा. तब मन्मथ ने निडर होकर, सिरि को क्यों पास में नहीं बुला रहे हैं, ऐसा सोचते हरि के मन में घुस कर कोलाहल करते पुष्प बाणों को हरि पर छोड़ा. तब गोविंद ने अपने मन से रूखेपन को छोड़कर अगर सिरि पहले बात करेगी तो वह भी उससे बात करेगा. ऐसे निर्णय पर पहुँच गये.

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

इधर लक्ष्मी भी कमल पर निश्चल बैठी रही कि हरि के बलाने पर मैं भी बात करूंगी. ब्रह्म और रुद्र इन दोनों के भाव को समझ कर अपने-अपने वाहनों पर चढ़कर वहाँ पर चले आये. उन्होंने रम्यतर पद्म सरोवर पर पहुँचकर शुभ वाद्यों को बजा कर पुष्पों की वर्षा करवायी. दोनों की प्रशंसा करते हुए दोनों को नमस्कार करके इस रूप में कहा.

श्री मत्परंधामा ! जीवावलीस्तोमा ! श्रीमानिनी लोल ! श्रृंगार सल्लील ! कंदर्प लावण्य ! कंजोद्भवगण्य ! षाड्गुण संपन्न ! संरक्षितापन्न ! सत्यव्रताचार ! साधू व्रजोद्धार ! सारांबूदश्याम ! संपूर्ण सत्काम ! वेदांत संचार ! विश्वंभराधार ! श्री वेंकटाद्रीश ! सच्चित प्रकाशा ! पराकाश ! लोकेश ! वाणीश गौरीश ! नाकेश वंद्यांघ्रिपद्माद्वया ! नित्य सत्या द्वया ! सद्धयासांद्र ! योगींद्र ह्रतपद्म भंगा ! सभांगा ! सुचारित्रा ! मित्राब्ज नेत्रा ! धरित्री कलत्रा ! महोल्लास ! दासप्रिया ! श्रीनिवासा ! हम पर सत्कृपा कीजिए. हे परम पिता ! तरिगोंडवासा ! नृसिंहा ! ह्यतांहा ! नमस्ते ! नमस्ते ! नमस्ते ! नमः' इस रूप में हरि की स्तति करके विनति करते पद्म पर दीपित होनेवाली लक्ष्मी को देखकर ब्रह्म शिवादि ने विश्वास और विनय के साथ इस रूप में कहा. 'हे क्षीर सागर जात ! चित्त संभव माता ! प्रधितगणो पेता ! भाग्य दाता ! वह भक्त परिपालो ! पाप कर्म विफाल ! हित सत्यमूल ! संस्तुत सुशील ! कनक पंकज वासा ! कमनीय दरहासा ! वदन मनोल्लास ! वर विलासा ! हे लक्ष्मी आपके स्वामी के ह्रदय पर आसीन होकर शेषाचल पर बसकर धरती पर प्रसिद्ध हो जाइए. शेषाद्रि पर बसकर हम पर सत्कृपा कीजिए.' ऐसी प्रार्थना करते हुए फिर से कहा. 'पवित्र कार्तिक शुरू 22 पंचमी गुरवार उत्तराषाढ दिन शुभ दिन है. शुभतारा मित्र तारा के समय चकी के वक्षस्थल पर विराजमान होना चाहिए. अब देर किस बात रही. तब ब्रह्म ने भग मनीद की ओर इशारा किया. तब भग सिरि के की?' कहते

ब्रह्म और रुद्रों की विनति करने पर महा विजयलक्ष्मीप पास जाकर नमस्कार करके, हे मात देवता ! मेरी गलती को क्षमा करके हे माई ! मुझे अपना पत्र समझ कर हरि के ह्रदय पर आसीन हो जाइए' कहते अनेक रूपों में विनति की. तब लक्ष्मी ने सहज ज्ञान से सर्वसमांत बनकर भृगु का आदर करते हुए संतोष के साथ इस रूप में कहा. 'हँ मनि ! आपकी दृढ़ भक्ति और धैर्य की मैं दाद देती हैं. अतिशय सत्व गणवाले अपने स्वामी पर संदेह करके मैं अलग हो गयी. मेरे रजोगुण के साथ काल गति मिलने पर इस रूप में प्राणेश से अलग होना पड़ा. परदेशी बनकर रहना एक बात है तो स्वामी से उग्र तप करवाना दूसरी. इससे एक सिद्धि हई. इसलिए काल किसी के वश में नहीं रहता. तम्हारी कोई गलती नहीं थी. मेरी भी कोई गलती नहीं थी. यह सब कपट नाटक सत्रधारी हरि का ही विनोद है. यह सब चकी को मालूम है.' कहते लक्ष्मी ने भृगु को विदा किया. फिर संतोष के साथ बाद में हरि के पाद पद्मों पर दृष्टि को केंद्रित करके प्रेम और भक्ति के साथ देखने लगी.

महाराष्ट्र शासन

वरिष्ठ भूवैज्ञानिक यांचे कार्यालय, भूजल सर्वेक्षण आणि विकास यंत्रणा भू.स.वि.यं कर्मशाळा, तपोवण रोड, अमरावती-४४४६०२
दुरध्वणी क्र-०७२१-२५५१४५०,२५५९४४ Email Id: sg_amravati @rediffmail.com

निविदा सुचना

सन 2026-27 जलयुक्त शिवार अभियान 2.0 अंतर्गत कामे करण्याकरिता अमरावती जिल्ह्यातील नांदगाव खं-1 तालुक्यातील प्रस्तावित एकुण 04 गावामध्ये 45 रिचार्ज शाफ्ट एकुण किंमत रु. 38,54,464/- भूजल पूनर्भरणाच्या उपाययोजनेची कामे करणेकरिता (Percentage Rate B-9 Tender form) ई-निविदा मागविण्यात येत आहे. ह्या निविदेविषयी सविस्तर माहिती https//mahatender.gov.in/ या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

१)	ई-निविदा क्र.	MAH/GSDA/SG Amravati/JSA 2.0/9/2026-27
२)	ई-निविदा आयडी	2026_DGSSA_1302387_1
३)	ई-निविदा विक्री	दिनांक:-१३-०५-२०२६ सकाळी १०.०० ते दिनांक:-२०-०५-२०२६ सायंकाळी - ५.०० वाजेपर्यंत
४)	ई-निविदापुर्व बैठक	दिनांक:-१५-०५-२०२६ वेळ दुपारी ३.०० वाजता
५)	ई-निविदा सादर करणे	दिनांक:-१३-०५-२०२६ सकाळी १०.०० ते दिनांक:-२०-०५-२०२६ सायंकाळी - ५.०० वाजेपर्यंत
६)	ई-निविदा उघडणे	दिनांक:-२१-०५-२०२६ सायंकाळी ५.०० वाजता

--स्वाक्षरी---
(राजेश सावळे)
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
भूजल सर्वेक्षण आणि विकास यंत्रणा अमरावती.

जावक क्र/अम. जाहि./ 148/ 2026-2027

किसानों का आर्थिक शोषण तुरंत बंद करें

धारणी- मौसम की मार से बेजार किसानों को तत्काल समुचित मदद देने की मांग की जा रही है. अखिल भारतीय ग्राहक कल्याण परिषद ने आरोप लगाया है कि धारणी और चिखलदरा क्षेत्र के कृषि केंद्रों में आदिवासी किसानों को यूरिया खरीदते समय जबरन मक्का व अन्य सामग्री खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। परिषद ने कृषि अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है.

राज्य अध्यक्ष गजानन मुदगल की अध्यक्षता में आयोजित किसान शिकायत निवारण बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। संगठन ने कृषि सामग्री अधिक कीमत पर और कथित रूप से घटिया गुणवत्ता की बेचे जाने की शिकायत भी की है। जिलाध्यक्ष मयूर बासुंदे ने बताया कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए 1 अगस्त को चिखलदरा में बैठक आयोजित की जाएगी.मौसम के कारण किसानों पर आयी मुसीबत को ध्यान में रखते हुए समुचित मदद देने की मांग की.

67 करोड़ रुपये की लागत से बने बडनेरा रेलवे ओवरब्रिज का भव्य लोकार्पण

अमरावती-बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने वाले विधायक रवि राणा जहां मानवता की सेवा में रत रहते हैं, वहीं क्षेत्र के विकासार्थ उन्हों ने पूरी जान लगा दी है. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ ही केन्द्र सरकार से समन्वय स्थापित करते हुए उन्होंने करोड़ों रूपए के विकास कामों को न केवल मंजूरी दिलाई बल्कि समुचित समय में इन्हें पूरा कर जनता की सेवा में लोकार्पित किया है. यही कारण है कि लोकप्रिय विधायक रवि राणा बडनेरा में एक के बाद एक इतिहास रचते जा रहे हैं.

बडनेरा की जुनी बस्ती में 67 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित रेलवे ओवरब्रिज का भव्य लोकार्पण केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा राज्य के राजस्व मंत्री एवं अमरावती जिले के पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने ऑनलाइन माध्यम से किया. राज्य में लोकार्पित किए गए नौ रेलवे ओवरब्रिजों में बडनेरा का यह ओवरब्रिज भी शामिल है.

कार्यक्रम में विधायक रवि राणा, युवा स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नौलकंठराव कात्रे, भाजपा शहर अध्यक्ष नितीन धांडे, उपमहापौर सचिन भेंडे, युवा स्वाभिमान पार्टी के गटनेता नाना आमले, महारेल के अधिकारी हुसैन, एडीएम राणे, पूर्व महापौर संजय नरवणे, युवा स्वाभिमान पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रकाश साबळे, महिला जिलाध्यक्ष सोनाली नवले सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

कार्यक्रम में बताया गया कि यह ओवरब्रिज पूर्व सांसद नवनीत राणा के संसदीय कार्यकाल के दौरान किए गए लगातार प्रयासों, रेलवे मंत्रालय से समन्वय और केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप स्वीकृत हुआ. इस पुल के निर्माण से वर्षों से रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम, समय की बर्बादी और नागरिकों की परेशानियों से बड़ी राहत मिलेगी.

विधायक रवि राणा ने कहा कि ओवरब्रिज के साथ ही बडनेरा जुनी बस्ती में अंडरपास निर्माण का कार्य भी आगामी आठ दिनों में शुरू किया जाएगा, जिससे नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध होंगी.

लोकार्पण समारोह के दौरान बडनेरा शहर एवं अंजनगांव बारी क्षेत्र के सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक व्यक्तियों का विधायक रवि राणा एवं पूर्व सांसद नवनीत राणा के हाथों शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया.इसी अवसर पर किसानों के हित में आंदोलन कर नकली बीज प्रकरण में संबंधित कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले युवा स्वाभिमान पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रकाश साबले, महिला जिलाध्यक्ष सोनाली नवले, संजय भारसाकड़े, मंगेश इंगोले तथा अजय घुले का भी विशेष सम्मान किया गया.कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों तथा नागरिकों की उपस्थिति रही. उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस रेलवे ओवरब्रिज के शुरू होने से अमरावती-बडनेरा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित, सुगम और तेज़ होगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी.विकास के इस काम से लाखों नागरिकों को बेहतरीन सुविधा होने वाली है. इसके चलते इसकी सराहना की जा रही है. साथ ही विधायक राणा के प्रति सभी नागरिकों ने कृतज्ञता जताते हुए उनका अभिनंदन किया है.

मुख्यमंत्री फड़णवीस के जन्मदिन पर जिले में 25 हजार पौधे रोपित होंगे

पूर्व सांसद नवनीत राणा की भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आदर्श पहल

अमरावती- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस के जन्मदिन 22 जुलाई के अवसर पर भाजपा नेता एम.खा. नवनीत राणा ने भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरे अमरावती जिले में 25000 पेड़ लगाने का संकल्प लिया. वृक्षारोपण अभियान 22 जुलाई से 29 जुलाई तक चलेगा. इस अभियान के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तरों, सार्वजनिक स्थलों, गांव की सीमाओं, नदी-नालों के इलाकों व खुले स्थानों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाएगा. नवनीत राणा ने अमरावती जिले के सभी भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व नागरिकों से इस अभियान में भाग लेने की अपील की. भाजपा नेत्री नवनीत राणा ने वडाली स्थित नर्सरी में जाकर पेड़ों का निरीक्षण किया ताकि यह पता चल सके कि किस प्रकार के पेड़ लगाए जाने चाहिए.

भाजपा नेता नवनीत राणा ने मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस को महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने पर बधाई दी. देवेंद्रजी फडणवीस के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने का सबसे अच्छा तरीका है पर्यावरण बचाने के लिए सीधे कदम उठाना बताते हुए नागरिकों से भी इस मौके पर पर्यावरण संतुलन में योगदान देकर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस को आदर्श शुभकामनाएं देने का आग्रह किया.

नवनीत राणा ने भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों की मौजूदगी में पूरे अमरावती जिले में 25 हज़ार पेड़ लगाने का संकल्प लिया है. पर्यावरण बचाने का संदेश देने वाली यह पहल 22 जुलाई से 29 जुलाई तक पूरे जिले में लागू की जाएगी. इस अभियान को असरदार तरीके से लागू करने के लिए, नवनीत राणा ने अमरावती में वडाली नर्सरी का दौरा किया और अलग-अलग तरह के पेड़ों का निरीक्षण किया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पर्यावरण के अनुकूल, लंबे समय तक चलने वाले और स्थानीय मौसम के लिए सही पेड़ चुनने के बारे में चर्चा की. उन्होंने पेड़ लगाने के बाद उनकी देखभाल और बचाव को भी उतना ही महत्व देने के निर्देश दिए. इस पहल के तहत, स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों, गांव की सीमाओं, नदी और नाले के क्षेत्रों के साथ-साथ खुली जगहों पर बड़े पैमाने पर पेड़ लगाए जाएंगे और उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से पेड़ लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी लेने की भी अपील की.

इस अवसर पर, माननीय नवनीत राणा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए, उन्हें महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री के रूप में नेतृत्व करने का सम्मान मिलने के लिए बधाई दी. उन्होंने उल्लेख किया कि उनके नेतृत्व में, राज्य में विकास, बुनियादी ढांचे, निवेश, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं ने गति पकड़ी है. यह कहते हुए कि जन्मदिन मनाने का सबसे अच्छा तरीका समाज के लाभ के लिए काम करना है, यह पेड़ लगाने की पहल इसी भावना के साथ की गई है. नवनीत राणा ने सभी नागरिकों से इस अभियान में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की.

इस मौके पर भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन धांडे, रविराज देशमुख, उपाध्यक्ष और पूर्व पार्टी नेता सुनील काले, पूर्व मेयर संजय नरवणे, एक्स पदाधिकारी सुनील खराटे, कौशिक अग्रवाल, ऋषिकेश देशमुख, बादल कुलकर्णी, कल्याणी तायडे, ललित समदरकर, राजू करील, राधा करील, विनोद तनवीज, सुनीता लोनारे, प्रमोद राउत, सचिन नाइक, शीतल वाघमारे, गंगा खारकर, कल्याणी मुदलियार, सविता भागवत, संगीता बरंगे, माधुरी ठाकरे, पंचफुला चव्हाण, मिलिंद बाम्बल, अविनाश काले, शुभम घोंग, अभिनव जुंघारे, हिमांशु गोस्वामी आदि मौजूद थे.उपक्रम की सर्वत्र सराहना की जा रही है.

क़र्मठ पार्षद और सेवाभावी युवा कार्यकर्ता योगेश विजयकर

अमरावती- कहते हैं कि पद प्रतिष्ठा मिलने के बाद कई लोगों का स्वभाव बदल जाता है. लेकिन गड़गड़ेश्वर प्रभाग के युवा स्वाभिमान पार्टी के नगर सेवक योगेश विजयकर की सादगी, क्षेत्रवासियों के लिए सहज उपलब्धता निश्चित ही उन्हें कर्मठ पार्षद और सेवाभावी कार्यकर्ता के रूप में महत्व दिलाती है. सादगी के साथ ही बातचीत में तथा संस्कारों में भी योगेश की विनम्रता झलकती है. वह कहते हैं कि विधायक तथा पार्टी संस्थापक रवि राणा तथा पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा तथा मार्गदर्शक सुनील राणा सहित वरिष्ठों के मार्गदर्शन में सदा अच्छा करने का प्रयास करते हैं.

किसी भी शहर के विकास में एक आदर्श नगर सेवक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. नगर सेवक केवल जनप्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है. उसका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करना, नागरिकों की आवश्यकताओं को समझना और विकास कार्यों को गति देना होना चाहिए. योगेश के मुताबिक साथी सभी पार्षदों के साथ मिलकर गड़गड़ेश्वर प्रभाग को आदर्श प्रभाग बनाने तथा जनता को बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहते हैं. वह कहते हैं कि एक आदर्श नगर सेवक वह है जो जाति, धर्म, भाषा और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठ कर सभी नागरिकों के हित में कार्य करे. वह अपने वार्ड में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, जल निकासी और पर्यावरण संरक्षण जैसे मूलभूत मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं. उनके मुताबिक जनता की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित समाधान करवाने को प्राथमिकता देते हैं. इसी प्रकार एक सेवाभावी युवा नेता समाज की अमूल्य धरोहर होता है. वह समाज सेवा को राजनीति का माध्यम नहीं, बल्कि अपना कर्तव्य मानते हैं. वह अपनी ऊर्जा, ईमानदारी और सकारात्मक सोच के बल पर समाज में जागरूकता फैलाने के साथ ही बच्चों को आदर्श संस्कार देने पर जोर देते हैं. योगेश का मिलनसार स्वभाव तथा सदैव दूसरों को सम्मान देने वाली अदा ही उन्हें अपार प्रेम दिलाती है. राजनीति को कम और सेवाभाव तथा सामाजिक सेवा को अधिक महत्व देते हैं. वह शिक्षा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य शिविर, खेलकूद, नशामुक्ति अभियान और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों में सक्रियता से भाग लेते हैं. योगेश के मुताबिक लोगों ने जो विश्वास उनमें पहले चुनाव में जताया है, उसे वे पूरा करने का प्रयास करते हैं.

वृक्ष और पुस्तक जीवन का आधार : कीर्ति अर्जुन

अमरावती- जीवन में पर्यावरण का अपार महत्व होता है. बिना जंगल, पर्यावरण के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है. ऐसे में इसका ध्यान रखना सभी की जिम्मेदारी है. वृक्ष और पुस्तक जीवन के सबसे महत्वपूर्ण आधार होने का मत कीर्ति अर्जुन ने व्यक्त किया. वे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाविद्यालय में सामाजिक उपक्रम पखवाड़े के अंतर्गत 'एक विद्यार्थी एक पेड़' अभियान लिया गया. संस्था की अध्यक्षा कीर्तीताई राजेश अर्जुन ने पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया और प्रत्येक विद्यार्थी को एक पौधा भेंट करते हुए उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि वृक्ष और पुस्तक दोनों ही जीवन एवं व्यक्तित्व निर्माण के आधार हैं. वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य योगदान है. प्राचार्य डॉ. कमलाकर पायस सहित अन्यों ने भी विचार व्यक्त किया. कार्यक्रम में प्राध्यापकों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश देने वाला यह अभियान सभी की सराहना का केंद्र बना.

कृषि विशेषज्ञों ने बंधाई किसानों को हिम्मत

अमरावती- बारिश के गायब होने से परेशान किसानों को कृषि अनुसंधान केंद्र ने हिम्मत बंधाया है.किसानों से बारिश के अंतराल में घबराकर महंगे रसायनों का छिड़काव नहीं करने की सलाह दी है. खेत की नमी बनाए रखने के लिए हल्की गुड़ाई-निराई करें तथा आवश्यकता होने पर हल्की स्प्रिंकलर सिंचाई करें. यदि जल तनाव 7-10 दिन से अधिक रहे, तभी 1 प्रतिशत पोटैशियम नाइट्रेट या 19:19:19 का छिड़काव करें. जिन क्षेत्रों में अभी बुवाई नहीं हुई है, वहां 23 जुलाई तक सोयाबीन की बुआई की जा सकती है. यदि 25 जुलाई तक भी बुआई संभव न हो, तो किसानों को सूरजमुखी या मक्का जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने की सलाह दी है.

आदर्श पत्रकारिता के साथ 17वें वर्ष में पदार्पण पर विदर्भ स्वाभिमान को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
संजय विजयकर तथा विजयकर परिवार,अमरावती.
सुख्यात युवा व्यवसायी तथा सेवाभावी व्यक्तित्व

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

जागृत मंदिर है खल्लार का बालाजी मंदिर

भक्ति की शक्ति अपार होती है. लेकिन इसके लिए श्रद्धा और विश्वास जरूरी होता है. अमरावती जिले में अंबादेवी, एकवीरा देवी, कौंडण्यपुर के रूक्मिणी माता मंदिर के साथ ही खल्लार बालाजी स्थिति भगवान व्यंकटेश बालाजी का मंदिर भी जागृत मंदिर है. यहां पहुंचने वाले हर भक्त को इसका एहसास पहुंचते ही हो जाता है. अपार सुकून के साथ ही मनोकामनाएं पूरी होती हैं. अमरावती से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित खल्लार गांव में बालाजी का मंदिर जागृत मंदिर के रूप में सुख्यात है. इस मंदिरि में अपार श्रद्धा के साथ ही भक्तिभाव वाला नजारा रहता है. इस मंदिर में वर्षों से जुड़े भक्त कहते हैं कि सच्चे दिल से इस मंदिर मैं की गई मन्नता पूरी होती है. कहते हैं कि भक्ति की शक्ति अपार होती है. अगर हमारा भाव शुद्ध है तो ही इसका अनुभव लिया जा सकता है. श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी हो सकता है. ऐसे में यह मंदिर पौराणिक महत्व रखता है. दत्त जयंती पर यहां से बालाजी की मूर्ति गणोजा देवी ले जाई जाती है.

असंभव भी संभव हो जाता है. इसका अनुभव अमरावती शहर के साथ ही विदर्भ के सैकड़ों भक्तों को बडनेरा से कुछ किलोमीटर की दूरी पर खल्लार स्थित प्राचीन और पौराणिक बालाजी मंदिर से आता है. मंदिर में स्थापित भगवान बालाजी स्वयंभू हैं. बताते हैं कि कुएं में मिली इस मूर्ति का दर्शन कर भक्त जहां तृप्त होते हैं, वहीं अमरावती के भक्तों द्वारा हर शुक्रवार को यहां पर अभिषेक सुबह 7 से 10 बजे तक किया जाता है. इस धार्मिक अनुष्ठान में अमरावती के बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं.खल्लार बालाजी मंदिर की भगवान बालाजी की मूर्ति को जागृत मूर्ति के रूप में माना जाता है. मंदिर से जुड़े महेश डोबा और कई साल से हर शुक्रवार को यहां आने वाले और भगवान बालाजी का अभिषेक करते हुए आत्मिक आनंद की अनुभूति करने वाले रामार्पण परिवार के अतुल महाराज बताते हैं कि मंदिर में कुछ पल बैठने पर ही अपार सुकून की अनुभूति होती है. यही कारण है कि पिछले कई साल से वे तथा भक्त परिवार मंदिर से जुड़ा है. मंदिर की मूर्ति का दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. ऐसे भी सैकड़ों भक्त हैं, जिनके भाव का साक्षात्कार यहां हुआ है. इस मंदिर में न केवल अमरावती, बल्कि देशभर से गोविंदा के भक्त आते हैं. बड़ी संख्या में भक्त तिरूपति में जाकर दर्शन करने के बाद मावंद इस मंदिर में करते हैं. भक्त अतुल महाराज के मुताबिक एक बार दर्शन के लिए जो यहां आता है, वह बार-बार यहां आता है. भक्त महेश डोबा बताते हैं कि यहां आने वाले भक्तों की सभी चाहतें पूरी होने के बाद वे जिंदगी भर के लिए यहां से जुड़ जाता है. सभी के जीवन में खुशियां आती हैं. ऐसे में उस भक्त का विश्वास बढ़ता जाता है. बताते हैं कि इस मंदिर में स्वयं बालाजी कुछ दिनों तक ठहरने के कारण यह मंदिर क्षेत्र पुनीत हो गया है. मंदिर की खूबी यह है कि सूर्य की पहली किरण चरणों पर पड़ती है. इसका अनुभव गांव ही नहीं बल्कि यहां धर्म कार्य करने के लिए आने वाले हजारों भक्तों द्वारा लिया जाता है. भगवान वेंकटेश्वर बालाजी के चरणों में सदैव सेवारत रहने वाले भक्त महेश डोबा बताते हैं कि भगवान बालाजी की मूर्ति की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि खल्लार मेंं स्थत बालाजी की मूर्ति के चरणों पर सूर्य की पहली किरण गिरती है. अमरावती से हर शुक्रवार को यहां भक्तों की टीम जाती है और शुक्रवार को भगवान बालाजी का अभिषेक करती है. सुबह 7 से 10 बजे का यह नजारा विलक्षण रहता है.एक बार यहां अवश्य दर्शन करते हुए जीवन को धन्य करना चाहिए. यहां का दर्शन भी भाग्य की बात है.

सुभाष दुबे, संपादक

गुरूवार 16 से 22 जुलाई 2026

इस सप्ताह आप किसी शादी पार्टी में सम्मिलित होने बाहर जा सकते है, वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. वाद-विवाद की स्थिति से खुद को दूर रखें. अपने परिचित व्यक्ति से आज आपको अपमान का सामना करना पड़ सकता है, पार्टनर का साथ मिलेगा.

वृषभ- इस सप्ताह आप नया वाहन आदि खरीद सकते है, परिवार में नया मेहमान आ सकता है. आपको कोई नए कार्य का बड़ा ऑफर आज मिल सकता है, किसी पुराने मित्र से मिलना होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे.

मिथुन- आज का दिन आपका शानदार रहेगा, मन स्थिर और प्रसन्न रहेगा. वाणी के प्रभाव से आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे. किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा. आज कोई नया व्यापार आप शुरू कर सकते है, पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कर्क- आज का दिन आपका सोच विचार कर काम करने का है. आप कोई बड़ा डिसीजन व्यापार-व्यवसाय में न लें, नई साझेदारी में सावधानी बरतें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पार्टनर के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी. आप आज वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें.

सिंह-आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. व्यापार-व्यवसाय में अपने सहयोगी पार्टनर्स से सावधान रहें, नहीं तो आपका काम बिगड़ सकता है. कोई नया लेन-देन आज न करें, वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.

कन्या-आज आपका मन अशांत रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में नुकसान उठाना पड़ सकता है. कोई बड़ा काम आपके हाथ से निकल सकता है. आज आप पारिवारिक मतभेद में उलझ सकते हैं. आप कोई बड़ा जोखिम आज व्यापार मे न उठाएं. पार्टनर के स्वास्थ्य के कारण चिंतित रह सकते हैं.

तुला-आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है, आज आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं. आपनों का साथ मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे. कोई नया वाहन मकान खरीद सकते हैं,किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

वृश्चिक-आज आप किसी अपने के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे, माता-पिता का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है. व्यापार-व्यवसाय में अपने पार्टनर का आज आपको सहयोग मिलेगा. कोई बड़ा काम आज आप शुरू कर सकते हैं काम में रूकावट जरूर आएगी. वाणी पर संयम रखें.

धन-आज के दिन आप वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. किसी काम का बहुत दिनों से सोच रहे हैं आज वह काम पूरा होगा. न्यायालय पक्ष के काम में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. वाणी पर संयम रखें, वाद विवाद की स्थिति में अपना बचाव करें.

मकर- सप्ताह में आपको कोई सुखद समाचार मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम का योग बनेगा. आप कोई नया निवेश व्यापार-व्यवसाय में कर सकते हैं. पार्टनर का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा.

कुंभ-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं या व्यापार में कोई बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में लाभ होगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- इस सप्ताह स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा. आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. आप परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी में पड़ सकते हैं. संतान की चिंता बनी रहेगी, व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी से मतभेद बढ़ सकते है, आज आप किसी नए काम के लिए विचार कर सकते हैं. पारिवारिक विवाद से दूर रहें.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.

मानव सेवा, भक्ति भाव,विनम्रता के त्रिवेणी संगम हैं मिश्रा दम्पति

सेवा परमोधर्म को बना लिया है जीवन का मिशन

अमरावती- जीवन में धन-दौलत येन-केन प्रकारेण कोई भी कमा सकता है. लेकिन सब कुछ होने के बाद भी स्वयं को सेवा में झोंकने का जज्बा बहुत कम लोगों में होता है. वह दम्पति निश्चित ही सबसे आदर्श दम्पति होते हैं, जहां दोनों का विचार एक होता है और सेवाभाव के साथ ही विनम्रता का भाव भी एक जैसे होता है. अदालत के उच्च पद से सेवानिवृत्त विपिन मिश्रा तथा सौ. मीना मिश्रा इसी तरह के आदर्श दम्पति कहे जा सकते हैं. कहते हैं कि कुछ ही लोग ऐसे हैं जो स्वयं के दिल को साक्षी मानते हुए सामाजिक, मानवीय सेवा कामों में सदा तैयार रहते हैं. दोनों की सादगी, विनम्रता,अपनापन और ज्ञानशांति वृद्धाश्रम में होने वाले किसी भी सामाजिक उपक्रम में भागदौड़ तथा कर्मठता निश्चित ही सराहनीय है.

यह आदर्श सेवाभावी दंपति अपने सुख-दुख से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता है.उनके लिए सेवा कोई दिखावा नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च धर्म होती है. वे बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करते हैं और समाज में प्रेम, भाईचारे तथा सद्भाव का संदेश फैलाते हैं. इस काम में उनके सहयोगी सेवानिवृत्त मित्रों का साथ रहता है. हर रिश्ते में जहां बिपिन-मीना मिश्रा दम्पति आदर्श हैं, वहीं आत्मीयता से ओतप्रोत रहने से हजारों मित्र परिवार बनाए हैं. ऐसे दंपति अपने बच्चों को भी अच्छे संस्कार देते हैं और उन्हें सेवा, ईमानदारी तथा मानवता का महत्व सिखाते हैं.उनका बेटा भी माता-पिता के संस्कारों को बढ़ाने का काम कर रहा है. दोनों अपने कार्यों से यह सिद्ध करते हैं कि सच्ची सफलता केवल धन कमाने में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में खुशियाँ बाँटने में है.दोनों ने इसे आचरण में उतारा है. हमारी स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं.

लेडी गवर्नर के हाथों विदर्भ स्वाभिमान विशेषांक का विमोचन

हजारों ने जन्मदिन पर दी डॉ.कमलताई गवई को शुभकामनाएं

पूर्व सीजेआई न्या.भूषण गवई के स्वागत के लिए उमड़ा सैलाब

गवई परिवार ने सभी का किया आत्मीय स्वागत, जताई कृतज्ञता

विदर्भ स्वाभिमान, 8 जुलाई

अमरावती- शहर ही नहीं तो राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमरावती का नाम रोशन करने में सदा योगदान देने वाले गवई परिवार की मातृशक्ति डॉ.कमलताई गवई का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया. इस मौके पर देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्या. भूषण गवई के सहकारिता क्षेत्र के आदर्श बैंक के रूप में प्रसिद्ध अभिनंदन अर्बन बैंक को सदिच्छा भेंट देने के मौके पर विदर्भ स्वाभिमान अखबार द्वारा प्रकाशित विशेषांक का विमोचन लेडी गवर्नर तथा हजारों लोगों के लिए माय माऊली का सम्मान रखने वाली डॉ.कमलताई गवई के हाथों क्रांग्रेस नगर स्थिति उनके निवास पर किया गया. भारी पुलिस तथा सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुए इस समारोह में समाजसेवी डॉ.गोविंद कासट, हर्षल बनसोड, दिलीप सदार, पूर्व नगर सेविका प्रभाताई आवारे के साथ ही सैकड़ों मान्यवर उपस्थित थे.

ज़न्मदिन की व्यस्तता में भी डॉ.कमलताई गवई ने विदर्भ स्वाभिमान के विशेषांक का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संपादक सुभाष दुबे की जहां सराहना की, वहीं दो साल पहले उनके जन्मदिन पर प्रकाशित विदर्भ स्वाभिमान के विशेषांक का विशेष रूप से जिक्र किया. इस मौके पर डॉ.कमलताई गवई की पुस्तक तथा समाचार पत्रों की रद्दी से रद्दीतुला की गई. जन्मदिन के उपलक्ष्य में दादादासाहब गवई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों के साथ ही अन्य उपक्रमों के माध्यम से मानव सेवा,पर्यावरण संतुलन के विभिन्न उपक्रम चलाते हुए ताई के जन्मदिन को यादगार बना दिया गया. इस मौके पर पूर्व सीजेआई न्या. भूषण गवई से भी हजारों ने मुलाकात कर स्वागत किया. उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए भी हजारों उत्सुक थे. सभी के साथ उन्हों ने फोटो खिंचवाकर अपनी सादगी और विनम्रता का परिचय दिया.

नांदगांव खंडेश्वर में भड़के किसान,कृषि विभाग पर बरसे

विदर्भ स्वाभिमान, 15 जुलाई

नांदगांव खंडेश्वर-घटिया और कम अंकुरण वाले बीजों से हुए नुकसान को लेकर किसानों का आक्रोश अब सड़क पर उतर आया है. किसानों ने जहां कृषि विभाग को निशाने पर लिया है, वहीं दूसरी ओर किसानों के मुताबिक सोयाबीन के बोगस बीजों ने उन्हें बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है. इसके लिए कृषि विभाग पर गुस्सा उतारते हुए स्पष्ट किया कि सोयाबीन बीज कंपनी पर कार्रवाई नहीं करने और किसानों को न्याय नहीं दिलाने पर कृषि अधिकारियों को चूड़ी पहनाकर निषेध किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि मौसम की मार से बेजार किसानों पर तिहरा मार पड़ रहा है. बारिश गायब रहने से बुआई का संकट और बोए गए सोयाबीन के बीजों में अंकुर नहीं आने से दुबारा बुआई का खर्च करने का डर सता रहा है.

नगराध्यक्ष प्राप्ती मारोटकर के नेतृत्व में शिवसेना (ठाकरे गुट) और किसानों ने कृषि कार्यालय पर धावा बोलते हुए तहसीलदार एवं कृषि अधिकारी को ज्ञापन सौंपा. आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि बोगस बीजों की बिक्री से तहसील के सैकड़ों किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है. उन्होंने मांग की कि सात दिनों के भीतर प्रभावित खेतों का निरीक्षण कर पंचनामा करते हुए दोषी बीज कंपनियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर किसानों को नया बीज उपलब्ध कराकर दोबारा बुआई का पूरा खर्च कंपनियों से वसूलने की मांग की.

शिवसेना ठाकरे गुट ने चेतावनी दी कि किसानों की फसल बर्बाद करने वाली कंपनियों पर बीज अधिनियम 1966 सहित अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए. साथ ही नुकसानग्रस्त किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए. सात दिनों के भीतर किसानों को न्याय और मुआवजा नहीं मिला तो कृषि विभाग के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा. इस दौरान बाबासाहेब राणे, प्रमोद कोहले, ओंकार ठाकरे सहित शिवसेना पदाधिकारी, नगरसेवक और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे.

इस मामले में अचलपुर के किसानों में रोष व्याप्त है. वहीं विधायक बच्चू कडू ने किसानों के साथ किए जाने वाले छल को गंभीरता से लेते हुए इसके खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी है. विधायक रवि राणा के साथ ही मेलघाट के विधायक केवलराम काले भी मामले में आक्रामक हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

ज़ानलेवा बन गया है पार्वती नगर से भातकुली रोड का खतरा मार्ग

विदर्भ स्वाभिमान,15 जुलाई

अमरावती- शहर में नेताओं तथा प्रशासन की लापरवाही ने लोगों के लिए जानलेवा स्थिति पैदा कर दी है. व्यस्ततम पार्वती नगर से भातकुली की ओर व्हाया महात्मा फुले कालेज जाने वाला मार्ग जानलेवा बन गया है. इस मार्ग की खतरनाक दुर्दशा से अभी तक कई दुर्घटनाएं होने के बाद भी मनपा को इसके गड्ढे बुझाने की फुर्सत नहीं मिली. रास्ते के खतरनाक गड्ढों से दुर्घटना ही नहीं स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी लोगों को त्रस्त कर रही है. रास्ते के गड्ढे के कारण रीढ़ की हड्डी के साथ ही दोपहिया तथा अन्य वाहनों के शॉकप को खतरा पैदा हो गया है. इस पर ध्यान देने तथा सुधारने की मांग हो रही है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.